HHR17-2-1-HI

श्रृंखला २: न्याय और क्लेश के मुख्य किरदार - कार्यक्रम १

उद्घोषक : आज लगभग आधा मसीही समाज यह विश्वास करता है कि उन के जीवन काल में ही मसीह का दोबारा आगमन हो जाएगा। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक कलीसिया के लिए मसीह यीशु के अंतिम वचनों को समाविष्ट करती है। वह भयानक घटनाओं की चेतावनी देते हैं जो विपत्ति के दौरान पृथ्वी पर आएंगे, शैतान का क्या होगा, मसीही विरोधी का क्या होगा, और सभी जो झूठे धर्म का पालन करते हैं। वे बताते हैं कि अर्मगेदोन कि लड़ाई के दौरान क्या होगा, पृथ्वी पर दोबारा आगमन के दौरान, हजार वर्ष के राज्य, अंतिम न्याय, साथ ही वर्णित करते हैं कि परमेश्वर ने अपने लोगों के निमित अनंत काल के लिए क्या योजना बनाई है। इस श्रंखला में हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के हर एक अध्याय का गहन अध्ययन करेंगे और इसमे के संदेश और परमेश्वर के इशारों को बेहतर समझने का प्रयास करेंगे।

आज हम इस श्रृंखला के दूसरे भाग्य की शुरूआत करते हैं जिसे हमने शीर्षक दिया है "न्याय और उसके मुख्य कलाकार, प्रकाशितवाक्य ७ से १३"

मेरे मेहमान हैं: डॉ एड हिंड्सन, लिबर्टी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ रिलीजन के डीन और धर्म के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, और ४० से अधिक पुस्तकों के लेखक

डॉ मार्क हिचकॉक बाइबल प्रतिपादन के सहयोगी प्रोफेसर हैं डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी मे। वे बाइबिल की भविष्यवाणी पर ३० पुस्तकों के लेखक हैं, और फेत बाइबल चर्च के वरिष्ठ पाज़बान हैं।

डॉ रॉन रोड्स भि डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी में पढाते हैं, और रीज़निंग फॉर द स्क्रिप्चर्स मिनिस्ट्रीज़ के अध्यक्ष हैं। इन्होंने भविष्यवाणी पर लगभग ७० पुस्तकें लिखी है। आइए जुड़िए हमारे साथ जॉन एकरबर्ग शो के इस विशेष संस्करण में।

*****

डॉ जॉन एंकरबर्ग: हमारे कार्यक्रम में आपका स्वागत है। मैं जॉन एंकरबर्ग हूं, मेरे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद। हम चर्चा कर रहे हैं एक शानदार विषय पर और कलीसिया के लिए यीशु के अंतिम वचनों पर। वह कहां पाए जाते हैं ? वह हमें मिलता है बाइबल की अंतिम पुस्तक जिसे प्रकाशितवाक्य कहते हैं। और हम इन बुद्धिजीवियों को साथ ले, आपको अध्याय दर अध्याय उन घटनाओं से अवगत कराऐंगे जिन्हे परमेश्वर भविष्य मे होने कि चेतावनि देते हैं, ठीक है ? और, ऐ,ड मैं चाहता हूं आप सारांशित करें उन लोगों के लिए जो कहते हैं, " ओह, भला हो, मैं उन पहले तीनों से बच गया। अब मैं यहां हूं। तो यह ऐसा है, मानो कह रहे हों, मुझे आपकी गति तक आने दे कि मैं भी अंदर कूद सकूं"।

डॉ एड हिंड्सन : ओके , प्रकाशितवाक्य के पुस्तक की शुरुआत पहले अध्याय में एक प्रस्तावना के साथ होती है। पुनरोत्थित मसीह पतमोस टापू पर यूहन्ना को प्रगट हो आज्ञप्ति देते हैं कि वे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को लिखें। और फिर अध्याय २ और ३ में एशिया माइनर की ७ कलीसियाओं के लिए येशू का निज्ञापन हे। ७ खत जो पहले शताब्दी की कलीसिया को लिखे गए, पर व्यक्त सिद्धांत हर समय की हर कलीसिया पर लागू होता है। और फिर हम देखते हैं एक बड़ी समस्या को चौथे और पांचवें अध्याय में। यूहन्ना स्वर्ग के परमेश्वर के सानिध्य में उठाए गए, उन्होंने प्रभु को सिंहासन पर देखा; पर यह समझ नहीं पाए कि कैसे कोई परमेश्वर के सामने प्रवेश कर पाएगा और पुस्तक प्राप्त कर, मुहर को तोड, न्याय की घोषणा कर स्वर्ग के राज्य को पृथ्वी पर ला पाएगा। और एक का एक ही आसुओं से भरे आंखों से, वे यीशु को देखते हैं। परमेश्वर के मेमने सिंहासन पर दिखते हैं,

पिता परमेश्वर के बिल्कुल बराबर। और येशू हि समस्यओं के उत्तर हें। वे आकर पुस्तक को प्राप्त करते हैं और मुहर खोलते हैं।

और फिर हम देखते हैं उन अध्ययनों को की वह किसके निमित्त थे, छठवें अध्याय से आगे, जब वे छटवें मुहर को खोलते हैं और न्याय देने लगते हैं जो कि पृथ्वी के ऊपर मेमने का क्रोध है। उन अध्यायों का अंत परमेश्वर के क्रोध को महत्वता देते हुए होता है, और तुरंत ही सातवें अध्याय में परमेश्वर के अनुग्रह पर बल दिया गया है। वास्तव मे महान ***पीड़ा / क्लेश*** के दौरान भी ऐसे कई लोग होंगे जिनका उद्धार होगा – १४४,०००, और फिर वह अपार अन्यजातियों का जनसमूह, हर कुल, जाति व देश से।

एंकरबर्ग: ठीक है, तो मार्क के पास जाने से पहले, मुझे उन मुहरों का सार बताएं जिनके विषय हमने अभी बात की, जल्दि।

हिंड्सन : ओके, पहली मुहर जो उन्हों ने खोली उसमे ***एपोक्लिप्स / सर्वनाश*** के शुरुआत में के चार घुड़सवारों के विषय लिखा है, ऐसा कह सकते हैं। सफेद घोड़े वाला घुड़सवार संसार को फतह कर जाता है, इशारा ***मसीह विरोधि / एंटिक्राइस्ट*** की ओर है; दूसरा घोड़ा, लाल, युद्ध, अंततः संसार युद्ध की ओर अग्रसर होता चला जाता है; और फिर काला घोड़ा, तीसरी मुहर, अकाल; और फिर चौथी मुहर एक पीला सा घोड़ा जो मृत्यु का प्रतीक है। दूसरे शब्दों में, ***मसीह विरोधि / एंटिक्राइस्ट*** आ रहा है, वैसे ही युद्ध, मृत्यु और अकाल भी। और फिर पांचवें मुहर का सरोकार है शहीदों से जिन्होंने महान क्लेश के दौरान मसीह के लिए अपने जान की कुर्बानी दी। और फिर छठवां मुहर है महान भूकंप जिसने पृथ्वी को हिला दिया और लोग वास्तव में भयभीत हो गुफाओं और पत्थरों के बीच छुपने लगे। और वे प्रकृति को पुकार रहे हैं, चट्टानों को, कि वह उन पर गिरे, पर परमेश्वर को नहीं पुकार रहे। और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक का एक दुखद पहलू यह है यहां बार बार बार दोहराया गया है, "उन्होंने मन नहीं फिराया", "उन्होंने मन नहीं फिराया"। उन्हें परमेश्वर की और फिरने के बनिस्पत मरना मंजूर

था। तो अब जो प्रश्न उठता है वह यह है, कि क्या महा क्लेश के दौरान किसी के भी प्रभु में उद्धार पाने की आशा रह जाती है ?

एंकरबर्ग: हां। और हम थोड़ी देर में बात करेंगे उन १४४००० लोगों की जिन हे प्रभु ने चुना। पर, जानते हैं, मुझे याद है एक प्रोफेसर जो पूरा दिन मेरे साथ बैठे, ८ घंटे, और उन्होंने मुझे इन मुहरों के विषय बताया, पर बाइबल के दूसरे भाग से। आप उस से परिचित हैं। बताएं हम किस विषय बात कर रहे हैं।

डॉ मार्क हिचकॉक : देखिए, मत्ती २४ में हम अंतिम महान उपदेश को पाते हैं, या वह उपदेश जो यीशु ने अपने क्रूस की मृत्यु से २ दिन पहले जैतून पर्वत से दिया। और वहां यीशु ने भविष्यातमक रूपरेखा या अंत के दिनों कि मूल योजना उजागर की। उनके शिष्य ने उनसे पूछा, "यह सब कब होगा, आपके आने का चिन्ह क्या होगा, युग के अंत का ?" और येशु यह कहकर शुरूआत करते हैं, "तुम बहुत से मसीह और भरमाने वालों को देखोगे" ; और यह है सफेद घोड़े वाला घुड़सवार। "युद्ध और युद्ध की चर्चा" ; यह लाल घोड़े वाला घुड़सवार है। जगह-जगह अकाल पड़ेगा ; यह काले घोड़े वाला घुडसवार ; आगे भी है, आप देख सकते हैं। तो वास्तव में मत्ती २४ में यीशु हमें संघनित संस्करण दे रहे हैं, या एक संक्षिप्त वर्णन, प्रकाशितवाक्य में की इन घटनाओं का। तो हम यह जान सकते हैं कि हमारी व्याख्या प्रकाशितवाक्य ६ की घटनाओं और न्याय के उन मुहरों के विषय सही है जब हम पीछे जाकर मत्ती २४ में यीशु की कही हुई बातों से इसकी तुलना करते हैं।

एंकरबर्ग: हाँ, यह बिल्कुल सटीक है। यह शानदार है। रोन, चलिए हम इस पर चर्चा करते हैं ; पूरे संसार में उथल-पुथल मचा हुआ है । लगभग, मार्क, अब तक कितने लोगों की मृत्यु हो चुकी है ?

हिचकॉक : संसार के लगभग एक चौथाई जनसंख्या चौथे न्याय के मुहर में ही।

एंकरबर्ग: ओके। तो दाएं-बाएं लोगों की मृत्यु हो रही है; अकाल पड़ रहा है ; हुकूमतें अपनी प्रजा के साथ बुरा व्यवहार कर रही है, ठीक है ? पर इन सब के मध्य भी परमेश्वर अनुग्रहकारी हैं, क्योंकि वह १४४००० लोगों को चुनते हैं कि वह बाहर जाएं और उनके गवाह हों। इसके विषय में बहुत कुछ कहते हैं। हमें बताएं कि वे १४४००० लोग कौन हैं और परमेश्वर उन्हें किस प्रकार की सामर्थ्य देते हैं।

डॉ रॉन रोड्स : यह बड़ा रोचक है, क्योंकि यह मानव इतिहास का सबसे अंधकारमय समय है, फिर भी परमेश्वर अपनी ज्योति चमका रहे हैं। भले ही परमेश्वर का क्रोध मनुष्य जाति पर बरस रहा है, पर वे अपनी करुणा और अनुग्रह को भी दिखा रहे हैं, क्यों ? क्योंकि वे नहीं चाहता कि किसी का भी नाश हो। पर जब तक आप परमेश्वर से बगावत करते रहेंगे, तो याद रखिए, परमेश्वर का क्रोध आप पर भड़कता रहेगा। और वही हो रहा है यहां । इन १४४००० के विषय मुख्य रूप से दो दृष्टिकोण है। पहला कि यह कलीसिया को दर्शाता है। पर समस्या यह है, यह १४४००० लोग यहूदी है, हर गोत्र में से १२०००। और बाइबल मे कलीसिया कलीसिया है और इस्राएल इस्राएल।

एंकरबर्ग: हां, और वहां हर गोत्र की सूची भी है।

रोड्स : बात वही पर आती है। आपके पास वशिष्ठ गोत्र हैं और उनकी संख्या भी है। और बाइबिल में कहीं और आप ऐसा नहीं देखते जहां आपके पास विशिष्ट संख्या और गोत्र दोनों ही हैं, मतलब, यह इस्राइल के गोत्रों के सिवाय और कुछ नहीं हो सकता। इसलिए मैं मानता हूं कि बात यहां इस्राइल के गोत्रों की ही हो रही है। प्रेरितों के काम की पुस्तक में भी हम देखते हैं कलीसिया और इस्राइल अलग हैं, जानते हैं, इस्राएल का जिक्र करीब २० बार और कलीसिया का जिक्र १९ बार हुआ है। प्रेरित पौलुस ने भी अपनी लिखाई में इनका जिक्र अलग अलग किया है। अब ध्यान से सुनीये, इस की पृष्ठभूमि या पीछे की कहानी यह है, परमेश्वर ने यहूदी प्रदेश को चुना है, इसराइल को, कि वे अन्य जातियों के लिए ज्योति बने।

एंकरबर्ग: पूरे संसार के लिए, संसार के हर राष्ट्र के लिए

रोड्स : पूरे संसार के लिए। वे चाहते थे कि वे सुसमाचार को पूरे संसार में ले जाएं, हर जगह, हर देश में। पर वास्तविकता यह है, वे नाकाम रहे। यहां तक कि वे येशू कि मसीहीयत तक को नहीं पहचान सके। तो इसके निचोड़ में, मैं यह मानता हूं कि वह १४४००० उस आदेश को पूरा करेंगे जो मूलतः इस्राएलियों को दिया गया था। मूल रूप से वे १४४००० इवेंजलिस्ट होंगे जो संसार के अलग-अलग भागों में जाकर स्वर्ग राज्य का प्रचार करेंगे। और मैं मानता हूं कि इसके फलस्वरुप कई लोग मन फिराएंगे। आगे हम उस अपार जनसमूह पर बात करेंगे। पर, देखिए , यह जनसमूह, मैं मानता हूं, विश्वास में ना केवल उन १४४००० की गवाही की वजह से आते हैं, पर शायद उन दो महान भविष्यवक्ताओं की गवाही की वजह से भी।

एंकरबर्ग: अब, मार्क, आपको क्या लगता है परमेश्वर इन लोगों पर कैसे प्रकट हुए, और उन्हें यह काम सौंपा, और उनसे अपनी इच्छा जताई ?

हिचकॉक : यह एक गंभीर प्रश्न है। हमें याद रखना होगा कि इस समय कलीसिया उठा ली गई है। उसे स्वर्ग में उठा लिया गया है। तो यह वह लोग हैं जो संसार में पीछे छूट गए हैं और अब मसीह यीशु के विश्वास में आ रहे हैं। सच यह है हम नहीं जानते पर विश्वास में कैसे आ रहे हैं। हो सकता है वे याहां पीछे छूटी हुई चीज़ों को देखकर या पढ़कर विश्वास में आ रहे हैं। या फिर ऐसा कुछ, शायद ऐसा हो सकता है, मानो १४४००० शाऊल के तर्शीश के अनुभव जैसा जहां अलौकिक तरीके से वे मसीह येशू के विश्वास में लाए जाएं। पर परमेश्वर १२ गोत्रों में से इन १२००० को चुनते और अलग करते हैं यह लोग परमेश्वर के गवाह हों। और उस पूरे समय के दौरान परमेश्वर ही उन १४४००० लोगों की रक्षा करते हैं उन्हें सुरक्षा देते हैं। जब आप प्रकाशितवाक्य १४ में पहुंचते हैं वहां यह १४४००० पूरे हैं। १४३९९९ नहीं। और परमेश्वर अपने वायदे के प्रति वफादार रहें कि वे इस पूरे समय के दौरान उनकी रक्षा करेंगे।

एंकरबर्ग: ठीक है, तो अब हम यहां एक ब्रेक लेने वाले हैं, पर जब हम वापस आएंगे हम बात करेंगे कि कैसे सातवां मुहर सात तूरहियों के लिए द्वार खोलता है जहां पर कि आने वाला न्याय और अधिक भयावह है। बने रहें हमारे साथ, शीघ्र लौटते हैं।

*****

एंकरबर्ग: ठीक है, दोबारा स्वागत है। हम बात कर रहे हैं प्रकाशितवाक्य के पुस्तक पर और उन घटनाओं की जिन्हें परमेश्वर ने हम पर प्रकट किया है जो कि भविष्य में घटित होगी। और हम डॉ एड हिंड्सन और डॉ मार्क हिचकॉक और डॉ रोंन रोड्स के साथ बात कर रहे हैं। तो, एड, दोबारा हमें उस बड़े तस्वीर की ओर ले जाए जब हम आठवें अध्याय पर आते हैं, और हम तुरही के न्याय के विषय देखते हैं। हमें इसका अर्थ समझाएं

हिंड्सन : प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में न्याय के तीन श्रंखलाएं हैं: सात मुहर, सात तुरही, और फिर आगे सात ***कटोरे / प्याले। 7*** मुहरों के खोले जाने पर सात तुरही के न्याय का शब्द सुनाई देता है। यह ऐसा है मानो ***दिव्य / स्वर्गदूत*** का न्याय हो, स्वर्ग दूत एक-एक कर आते ही रहते हैं दिव्य तर्ज पर, न्याय के तुरही को फूंकते है, फलस्वरूप पृथ्वी पर हाहाकार मच जाता है। तो जब हम आठवें से लेकर ग्यारहवें अध्याय को देखते हैं वहां सात तुरही के न्याय का वर्णन है। और दोबारा एक अंतराल जहां परमेश्वर आशा का संदेश दे रहे हैं। हर एक न्याय का प्रभाव समस्त पृथ्वी पर पड़ेगा : वनस्पतियों पर, समुद्र पर, नदियों पर, वायु पर। आप टिड्डियों की महामारी को आते देखेंगे। युफ्रेटिस नदी पूर्व से आने वाली सेना का न्याय प्रशस्त करेगी। और फिर अंततः परमेश्वर का प्रलयवादी न्याय। यह सभी कुछ पूरे ब्रह्मांड के एक तिहाई भाग को प्रभावित करेगा।

एंकरबर्ग: हाँ। मैं यहां रुकते हुए एक प्रश्न करना चाहूंगा। और इससे आपको अचंभित करना चाहूंगा। और वह यह है, यही बड़ी तस्वीर है, और लोग कहते हैं, "उस दौरान परमेश्वर इतने कठोर क्यों होंगे ?"

हिंड्सन : क्योंकि उन्होंने मनुष्य को पश्चाताप करके मन फिराने और विश्वास में आने के लिए कई सदियों सदियों का समय दिया। और सदियों की इस रोक, प्रतिरोध और नरमी का फायदा क्या हुआ; मनुष्य का हृदय कठोर से कठिन और कठोरतम होता गया। और इसके साथ में परमेश्वर कह रहे हैं, "मैं अपनी सुरक्षा के हाथ को हटा रहा हूं, और मानव हृदय की कलुषता लोगों को सर्वनाश तक ले जाएगी। मैं तुम्हारी रक्षा के लिए नहीं आऊंगा।" मेरे लिए यह अद्भुत है, जॉन। हम परमेश्वर को अपने जीवन में नहीं चाहते; लोग परमेश्वर के विरोध मे हर चीज में हस्तक्षेप कर रहे हैं -जब तक कि कुछ गलत ना हो जाए। और फिर वह गाना चाहते हैं "गॉड ब्लेस अमेरिका," या कुछ और, और प्रार्थना करते हैं कि प्रभु उनके बचाव में आएं। और मैं विश्वास करता हूं एक समय आएगा जब प्रभु कहेंगे, "मैं क्यों आऊं ? तुमने मुझे नहीं ढूंढा, सच्चे विश्वासियों को मैं पहले ही उठा चुका हूं; सचमुच मानो पूरे पृथ्वी पर नर्क पसर जाएगा।"

एंकरबर्ग: हाँ, रॉन पहले तुरही के न्याय से शुरू करते हैं। क्या हो रहा है ?

रोड्स : देखिए व्यापक दृष्टिकोण के तौर पर हमें यह ध्यान रखना है कि पहले ४ तुरही के न्याय संसार के, मनुष्य के पर्यावरण के विरोध में है; और फिर अंतिम तीन मनुष्य पर केंद्रित है। इसीलिए पहले तुरही के न्याय में हम देखते हैं ओला और आग, खून में मिलकर पृथ्वी पर फेंके जाते हैं। अब, इसके नतीजे काफी चौकाने वाले होंगे। पेड़ पौधों का एक तिहाई घास और चारा सब जल जाएंगे। पर्यावरण पूरी तरह तहस-नहस हो जाएगा। और फिर यह अगले तीन तुरही के न्याय के साथ मिलकर पर्यावरण को बर्बाद कर देगा और वह काफी भयावह होगा।

एकरबर्गः हाँ। दूसरा तुरही?

हिचकॉक : हाँ। जैसा कि रॉन ने अभी कहा, यह दिलचस्प है। मुहर पहले ४ जो कि ४ घुड़सवार हैं, फिर अगले ३। यहां भी बिल्कुल वैसा ही है। पहले चार है, फिर अंतिम तीन को हाय कहा गया है। तो यह वैसे ही विभाजित है। वैसे ही, इन सभी में, दूसरे तुरही के समान ही, स्वर्ग से आग के गोले गिर रहे हैं। समुद्र का एक तिहाई भाग प्रदूषित हो चुका है। लिखा है कि दूसरे स्वर्ग दूत का गरजना ऐसा था; मानो महान पर्वत आग से जल रहे हों और समुद्र में फेंक दिए गए हों। समुद्र का एक तिहाई भाग लहू में परिवर्तित हो गया और उसमें के एक तिहाई जीव जंतु मर गए, और एक तिहाई जहाज नष्ट हो गए। तो समुद्र सड़े हुए बदबूदार जगह में बदलने जा रहा है, लहू में बदलेगा। और वहाँ एक बात जो गौर करने की है, सब में आप पाएंगे एक तिहाई, एक तिहाई, एक तिहाई; बार-बार यह दोहराया गया है। मुझे नहीं पता कि इस एक तिहाई का जिक्र वहां बार-बार क्यों है। मेरा मतलब इसके जवाब में कई अलग-अलग प्रकरण है। पर एक चीज स्पष्ट है यह परमेश्वर की ओर से हो रहा है; यह अलौकिक है। दूसरे शब्दों में यह कोई क्रम रहित घटना नहीं है। याद रखिएगा पूरा संसार इसमें भागी है; जैसे की मिस्र की विपत्तियों ने केवल कुछ भाग को ही प्रभावित किया था। तो यह दर्शाता है कि परमेश्वर अपनी संप्रभुता में जो कुछ हो रहा हे उसके नियंत्रण में है।

एकरबर्गः तीसरा तुरही?

हिंड्सन : तीसरा नदियों को और स्वच्छ पानी को प्रभावित करेगा। तो दूसरी तुरही में समुद्र प्रदूषित हो गया है, तीसरी तुरही में स्वच्छ ताजा पानी प्रदूषित हो रहा है। और फिर चौथी तुरही में ऐसा लगता है, वायु प्रदूषित हो रही है, क्योंकि आप सूर्य, चांद या तारों को दिन के तिहाई भाग तक देख नहीं पा रहे। वह वही है, पर आप देख नहीं पा रहे। अब, बाइबल स्पष्ट तौर पर परमाणु युद्ध के विषय नहीं कहती। प्राचीन संसार में वह क्या होता है उन्हें नहीं मालूम रहा होगा। पर यह कुछ कुछ ऐसा ही लगता है। ऐसा कुछ भयानक हुआ है जिसने

ग्रह के एक तिहाई भाग को प्रभावित किया है। और इसने वनस्पति को, वायु को, और पानी को प्रदूषित किया है। अर्थात यह संसार के उस भाग को जीवन के अयोग्य बना देगा।

एकरबर्गः हाँ। और फिर, रॉन, जब हम इस बहुत ही दिलचस्प पांचवें तुरही के न्याय पर आते हैं, तो वहां क्या हो रहा है?

रोड्स : शायद यह अब तक का सबसे भयानक न्याय है। इस न्याय के तहत हम देखते हैं टिड्डियों को, वास्तव में जो की शैतानी आत्माएं है, जिन्हें नीचे पाताल के गड्ढे से आजाद किया गया है। अब आप को यह समझना होगा कि जिन शैतानों को पाताल में कैद कर रखा गया है वह बद से बदतर है। पर अब वे आज़ाद हो रहे हैं। और वह एक टिड्डियों की आंधी के समान लग रहे हैं क्योंकि वह बहुत सारे हैं। ऐसा है मानव शैतानों का एक बड़ा समूह वहां से निकल उड़ रहा है। और उन्हें ५ महीने तक मनुष्यों को यातना देने की आजादी है, पर वे उन्हें मार नहीं सकते। लोग मरना चाहेंगे, पर मर नहीं पाएंगे। दर्द में जिएंगे। अभी हमने देखा था कि मनुष्य का जो पर्यावरण है वह अस्तव्यस्त हो गया है। अब उनके क्षतिग्रस्त पर्यावरण के साथ साथ उन्हें अत्यंत दर्द का भी सामना करना है। बेशक परमेश्वर द्वारा चिन्हित लोग इसे बचाए गए हैं। पर अब वे सभी जो संसार में है और अब तक परमेश्वर की खिलाफत कर रहे थे इतने सालों तक, अब उन्हें इसका एहसास होएगा।

एकरबर्गः हां। और वे बहुत हैं जिन्हें छोड़ा गया। उस पर आप की क्या टिप्पणी है

हिचकॉक : अब, हां ,मेरा मतलब, यह भयानक न्याय है। कल्पना कीजिए कि पूरा संसार एक दूसरे पर भड़क रहा है। उपर से स्वर्ग से परमेश्वर का प्रकोप; धरती पर मनुष्य का एक दूसरे पर क्रोध; अब धरती के नीचे से शैतान का कोप। तो यह संसार पर एक बेजोड़ न्याय का समय होने जा रहा है।

एकरबर्गः ठीक है, इस छठी तुरही के न्याय के बारे में बात करते हैं। आप बताइये, एड।

हिंड्सन : उस एक सेना में ऐसा लगता है २० करोड़ सैनिक – १०००० बार १००००; उस समय के दौरान यही उनके लिए सबसे बड़ी संख्या हुआ करती थी - यूफ्रेट्स के पूर्व में आ रही है, अंततः मध्य पूर्व की ओर बढती है, और आखिरकार इजरायल और यरूशलेम की तरफ। अब मेरा यह मानना है, आप की सहमति किसी भी विचार से हो, प्रकाशितवाक्य के पुस्तक की भौगोलिक स्थिति मध्यपूर्व पर केंद्रित है। यहीं पर इस संघर्ष को हम होता देखते हैं। और लोग बहस करते हैं वह सेना कौन सी है। अक्सर उस समय जो सेना हमें पसंद नहीं वही वह सेना हो जाती है। पर मेरा मानना है कि यह शैतानी शक्तियों द्वारा वशित सेना होगी। दूसरे शब्दों में, लोग बढ़ रहे हैं, सेनाएं लड़ रही है; इन टिड्डियों का वर्णन ऐसा है मानो वे आजकल के आधुनिक हथियार व टैंक हों। और यही यूहन्ना अवर्णनीय का वर्णन करने का प्रयास कर रहे हैं। वह कहते हैं उसका मुंह पुरुष के समान और बाल स्त्री के समान लंबे हैं उसके पीछे से आग निकलती है। मुझे नहीं लगता अब तक उन्होंने अपने जीवन में ऐसा कुछ देखा होगा। ना ही मुझे लगता है कि इसका सही से वर्णन करना ही उन्हें आया होगा। और उन्होंने अपना सर्वोत्तम विवरण दिया। पर वह यह जानते हैं कि इस सब के पीछे शैतान है। वह शैतानिक फौज है, जो मनुष्य और हथियारों का इस्तेमाल कर रही है, और उस दौरान संसार पर हमला कर रही है।

रोड्स : और सबसे खतरनाक बात है जनहानि, जनसंख्या का लगभग एक तिहाई भाग मर रहा है। और अगर आप इसे पिछली संख्या से जोड़ देते हैं, जो कि संसार के एक चौथाई का मरना था, यह आधा है...

एकरबर्गः हां, तो लगभग आधी दुनिया चल बसी है। मार्क, यह हमें एक बेहद महत्वपूर्ण धर्मशास्त्रीय सवाल पर लाता है, और वह है, क्या यह तुरहीयाँ, जब इन का पूरा हो ना हो जाता है, क्या हम ने क्लेश के समय को आधा पार कर लिया होगा ? किस भाग में यह होंगे ? अगर क्लेश, उसका पहला भाग साढेतीन साल का, दूसरा भाग साढेतीन साल का है, कुल मिलाकर यह ७ साल है। आप इन तुरहीयों को कहां स्थित करेंगे ?

हिचकॉक : मैं मानता हूं यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है, क्योंकि इसी बात पर लोगों का सबसे अधिक मतभेद है, शायद, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक हमें घटना के कालक्रम को बताती है। और इसलिए हम इस विषय पर कोई कट्टरवादी रुख नहीं अपनाना चाहते। असहमतों की संख्या काफी है। बाइबल भविष्यवाणी के कई अध्यापक मेरे मित्र हैं पर वह मेरे दृष्टिकोण से सहमत हैं।इसीलिए, हमें सावधान रहना चाहिए कि हमारे विचार इस विषय पर कितने कट्टर हैं। मैं मुहरों के न्याय को क्लेश के पहले भाग में रखूंगा; मानो यह प्रसव पीड़ा का आरंभ हो। और फिर मैं तुरही के न्याय को क्लेश के दूसरे भाग में रखूंगा; और फिर ***कटोरे / प्याले*** को सबसे अंत में, यह तुरंत फैलने जैसा है। हमें यह याद रखना होगा, भले ही, हम कहते हैं, यह न्याय, क्लेश के पहले भाग में है – मुहर - उसके प्रभाव जारी रहते हैं । ऐसा नहीं है कि वह हुए और खत्म हो गए। प्रभाव जारी रहता है। पर मैं तुरही के न्याय को दूसरे भाग में रखूंगा, मुख्यतः एक वजह से : उनकी ***तीव्रता / क्रूरता*** की वजह से। क्योंकि येशू कहते हैं कि क्लेश के काल का दूसरा भाग, अधिकतर जिसे महान क्लेश कहा जाता है, वह पृथ्वी पर तब तक के ***काल / समय*** से बिल्कुल अलग होगा। एक और बात, अगर आप तुरहियों के न्याय को मुहर के न्याय के साथ क्लेश के पहले भाग में ही डाल देते हैं, अर्थात क्लेश के पहले भाग में ही पृथ्वी की लगभग आधी आबादी नहीं रहेगी मर जाएगी।

एकरबर्गः पूरे विश्व की लगभग आधी जनसंख्या

हिचकॉक : पूरे विश्व की लगभग आधी जनसंख्या। जो इसे दूसरे भाग के क्लेश से अधिक भयावह बना देगी।

एकरबर्गः ठीक।

हिचकॉक : इसमें अन्य काल क्रमबद्ध विवरण हैं जो मुझे प्रेरित करते हैं कि मैं इसे दूसरे भाग में भी रखूं। पर मुझे लगता है पुस्तक के विचार के प्रवाह के हिसाब से वही सही बैठता है। मुहर का न्याय; वो मत्ती २४ के यीशु

के कथन के समानांतर है कि यही प्रारंभ है। और फिर तुरहीयों के साथ और अधिक कठिन समय आएगा। और आगे, यह ***कटोरे / प्याले*** का न्याय जिसे हम १६ अध्याय में देखते हैं वह सबसे अंत में है। मेरे लिए, यह ज्यादा सटीक बैठता है यीशु के कथन व वचन के अलग-अलग भागों के साथ।

एकरबर्गः हाँ। एड, हो सकता है लोगों को इसे पढ़ने पर लगे यह न्याय तो काफी ***तीव्र / क्रूर*** है वास्तव में ऐसा कभी हो नहीं सकता। पर हमें यह जानकारी स्वयं यीशु द्वारा दी जा रही है, और अगर आप उनके अधिकार को सही मायनों में मानते हैं तो बेहतर है कि आप इस पर यकीन करें। यह भयानक होने वाला है, ठीक है ? अब तक यह हुआ नहीं है; कलीसिया अब तक उठाई नहीं गई है। उन्हें बताएं जिन्होंने यीशु को अब तक नहीं अपनाया है। यीशु के बारे में जानते हैं ,बस इतना ही ; उनका यीशु से कोई सरोकार नहीं।

हिंड्सन : अगर यीशु ने कहा तो यह होने वाला है, आप इसे चिन्हित कर लें, यह होने वाला है। यीशु ने अपने चेलों से कहा उनके दिनों का ***मंदिर / आराधनालय*** गिराया जाएगा, और ऐसा हुआ। उन्होंने लोगों को होने वाली बातें बताई, और वे हुईं भी। क्योंकि वह मानवीय शरीर में परमेश्वर हैं, उन्होंने अंत को आरंभ में ही देख लिया। अर्थात उन्होंने मेरे अंत को और आप के अंत को शुरुआत में ही देख लिया है। दूसरे शब्दों में, वह आपके जीवन के गंतव्य को जानते हैं आपके हृदय को पहचानते हैं।

आप प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को पढ़ सकते हैं और जब आप पुस्तक के इस भाग पर आएंगे, न्याय की ***तीव्रता / क्रूरता*** को देखकर, आप सोचेंगे, “यह अति भयंकर है। मैं पीछे नहीं छुटना चाहता क्योंकि इससे पार पाना या जीवित रहना अत्यंत ही कठिन है।” जब हम ***कटोरे / प्याले*** के न्याय पर आते हैं, यह पूरे ग्रह को प्रभावित करता है। दूसरे शब्दों में, कोई बचाव नहीं है। आप भाग तो सकते हैं, पर छुप नहीं सकते उस दौरान।

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक का मुख्य बिंदु हमें यह बताने के लिए है, "देखो यह कहीं तुम्हारे साथ ना हो जाए। यह तुम्हें डराने के लिए नहीं लिखा गया, पर तुम्हें तैयार करने के लिए। यीशु के पास आओ जब मौका है, समय है, स्वर्ग पर उठा लिया जाने से पहले या अकेले अनंतता पर कदम रखने से पहले।

आपके पास वह एक निर्णय लेने का मौका है जो कि आपके अनंतता के परिणाम को बदल सकता है, और वह है यीशु के मृत्यु के बलिदान पर अपने विश्वास को लाना। वह किसी शहीद या पीड़ित की तरह क्रूस पर नहीं मारे गए। वह विकल्प के तौर पर मारे गए, परमेश्वर के मेमने के रूप में जैसा की प्रकाशितवाक्य की पुस्तक उन्हें प्रस्तुत करती है। वह आपकी जगह मारे गए। वह आपके लिए मारे गए। और वे चाहते हैं कि आप उन पर यकीन लाएं । और यह आपके पापों की क्षमा के लिए और अनंत जीवन के वरदान के लिए काफी है। ऐसा समय आने पाए जहां आप मन फिराएं और अपने विश्वास को उन पर लाएं।

एकरबर्गः मित्रों, आपने जो अभी एड को कहते सुना, अब उसे करने का समय है अगर आप परमेश्वर की ओर एक खिंचाव को महसूस कर रहे हैं तो। वह सुनेंगे। वह आपको अपनी और पुकार रहे हैं। और वह चाहते हैं कि आप प्रार्थना करें, पर वह यह भी चाहते हैं कि निर्णय आपका हो। मैं आशा करता हूं आप अभी प्रार्थना करेंगे अगर आपने पहले कभी नहीं की हे तो।

अगले हफ्ते हम एक और गंभीर विषय पर बात करेंगे प्रकाशितवाक्य की घटनाओं पर। २ शानदार गवाहों को परमेश्वर पृथ्वी पर भेजते हैं। वह क्या करेंगे, विश्व की उन पर क्या प्रतिक्रिया होगी, आप इसे जरूर सुनना चाहेंगे। इसलिए मैं आशान्वित हूं आप अगले हफ्ते हमसे दोबारा जुड़ेंगे।

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ॠ ख्ॠद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्र्द्धत्ढ़ण्द्य 2016 ॠड्डड्ड़क्ष्